पंजाब केसरी 30/07/2025

जागरुकता की कमी के कारण बढ़ रही मिलावटखोरी : डा. रोहित दत्त

मिलावटी खाद्य पदार्थों से कैसे बचें, कार्यशाला में छात्रों को बताया

अम्बाला, 29 जुलाई (बलराम): ऑर्गेनाइजेशन फॉर सोशल एंड कल्चरल अवेयरनैस ओस्का एवं इद्रीश फाऊंडेशन द्वारा संचालित समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत दैनिक खाद्य पदार्थों में खाद्य मिलावट के प्रति जागरुकता विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी एवं अतिथि वक्ता। (चंद्रमोहन)

कार्यशाला के अवसर पर जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि दैनिक खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर समस्या है, जो हमारे स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करती है। ऐसे में छात्रों को इस विषय पर जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल वैज्ञानिक जानकारी मिली, बल्कि उन्होंने उपभोक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भी समझा। उन्होंने ओस्का और इद्रीश फाऊंडेशन की इस पहल की प्रशंसा की और कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे।

कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में डा. नेहा अग्रवाल, सहायक प्रोफैसर, रसायन विभाग, जी.एम.एन. कॉलेज अम्बाला कैंट ने शिरकत की। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट की विभिन्न तकनीकों, सामान्य पहचान विधियों और इससे होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने दैनिक जीवन में प्रयुक्त दूध, मसाले, तेल, आटा आदि में मिलावट की पहचान करने के घरेलू उपायों को भी प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि आम जनता में जागरुकता की कमी के कारण मिलावटखोरी बढ़ रही है और समय रहते इसकी पहचान एवं रिपोर्ट करना अत्यंत आवश्यक है। ओस्का के सहसचिव राजिन्दर मीरवाल ने अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और भविष्य में भी इस तरह के जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही।